



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 744]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 21, 2007/ज्येष्ठ 31, 1929

No. 744]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 21, 2007/JYAISTHA 31, 1929

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 21 जून, 2007

New Delhi, the 21st June, 2007

का. आ. 1004(अ).—विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 45 (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा, गृह विभाग के प्रभारी, राज्य सरकारों एवं संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के सचिवों को अपने-अपने राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में न्यायालय द्वारा विचारण योग्य उक्त अधिनियम के अध्याय-III के अंतर्गत दण्डनीय अपराधों के संबंध में अभियोजन स्वीकार करने की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

S. O. 1004(E).—In exercise of the powers conferred by Section 45 (i) of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby authorizes the Secretaries of the State Governments and Union Territory's Administrations incharge of the Home Department, to exercise the powers to sanction prosecution in respect of offences punishable under Chapter-III of the said Act triable by a Court in their respective States and Union Territories.

[फा. सं. I/17014/14/07-आईएस. VII]

[F. No. I/17014/14/07-IS. VII]

एल. सी. गोयल, संयुक्त सचिव

L. C. GOYAL, Jt. Secy.